कर्नाटक रत्न, पद्मभूषण व पद्मविभूषण धर्माधिकारी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े को राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया गया

25 नवम्बर 1948 को जन्में डॉ वीरेंद्र हेगड़े धर्माधिकारी रत्नवर्मा हेगड़े के सबसे बड़े बेटे हैं। वे कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित श्री धर्मस्थल मंजूनाथ स्वामी मंदिर के अनुवांशिक ट्रस्टी हैं दिगम्बर जैन बीसपंथी आमना के अनुयायी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े का परिवार कई हिंदू समुदाय के मंदिरों का भी ट्रस्टी है। डा.वीरेंद्र हेगडे के तीन छोटे भाई व एक बहन हैं पत्नी पद्मावती हेगड़े व उनकी बेटी श्रद्धा, डॉ. हेगड़े के साथ सभी धर्म व समाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व भली–भांति निभा रहे हैं। 19 वर्ष की आयु के साथ ही आप समाजसेवी व धार्मिक कार्यों को संलग्न है ।

800 साल प्राचीन इस धर्मस्थल मंदिर में भगवान मंजूनाथेश्वर अर्थात शिव मुख्य देवता है इस मंदिर में वैष्णव धर्म को मानने वाले पंडित द्वारा पूजा की जाती है इसके अलावा इस मंदिर का प्रशासन जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा किया जाता है और इन्हें यहां हेगड़े के नाम से जाना जाता है । यह सिर्फ महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल ही नहीं बल्कि क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन का केंद्र भी है इसका अनुसरण हर सक्षम समाज को करना चाहिए, कर्नाटक स्थित शिव मंदिर कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है मंदिर के निर्माण के पीछे हेगड़े परिवार के पूर्वजों को मिला देवादेश प्रसंग इसे और अधिक विशेष बनाता है, यह धर्मस्थली 'मंजूनाथ स्वामी मंदिर' जिसे जैन परिवार के वर्तमान पदस्थ धर्माधिकारी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े के द्वारा चलाया जा रहा है इन्होंने इस गांव को न केवल समृद्ध शहर के रूप में तैयार किया बल्कि इस क्षेत्र में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व प्रशासनिक सुधार के स्त्रोत भी रहे हैं। डा. हेगड़े निम्न कार्यों की वजह से चर्चा में रहें हैं * रोज लाखों लोगों के लिए अन्नदान का आयोजन किया जाता है, लोगों के मुद्दों को सुनने के अलावा मंदिर में धर्माधिकारी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित लोगों को छात्रवृत्ति, चिकित्सा और पेंशन के रूप में वित्तीय सहायता करते हैं। * सांस्कृतिक मोर्चे पर श्री धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर यक्षगान कला केंद्र है जो पारंपरिक स्थानीय नृत्य, गांवों और गुरुकुल के भजन समूह को प्रशिक्षण देता है और युवाओं को पारंपरिक गुरु शिष्य परंपरा में शिक्षा प्रदान की जाती हैं । * समाज में बड़े पैमाने पर विवाह का आयोजन होता है जहां धर्माधिकारी दावत के अलावा दुल्हन के लिए शादी का पूरा खर्चा उठाने के साथ हर जोड़े को आशीर्वाद देते हैं। * जन जगराथी एक व्यसन छोड़ने का कार्यक्रम है जिसमें कई ग्रामीण परिवारों को बर्बाद होने से भी बचाया जाता है * धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर धर्मोथाना ट्रस्ट ने 200 से अधिक मंदिरों के संरक्षण करने में मदद की है साथ ही मेडिकल ट्रस्ट के तहत पूरे भारत में अस्पताल हैं जो जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता प्रदान करते हैं। * डॉ. हेगड़े को जैन समुदाय की करीब 600 साल पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए जाना जाता है इतना ही नहीं कला और संस्कृति के प्रचार में आपका अहम योगदान रहा है नेचुरोपैथी,

योग और नैतिक शिक्षा के प्रसार के लिए धर्मस्थल से जुड़े 400 हाईस्कूल और प्रायमरी टीचर हर साल इन विषयों में 30000 छात्रों को शिक्षा देते हैं।

* डा.वीरेन्द्र हेगड़े को उनके सेवा कार्यों के लिए वर्ष 2000 में भारत सरकार ने समाज सेवा क्षेत्र में पद्म भूषण एवं वर्ष 2015 में पद्मविभूषण से भी सम्मानित किया है ।

मोक्ष सप्तमी विशेष : क्षमा से मोक्ष तक

श्रावण शुक्ल सप्तमी का दिन 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक को मुकुट सप्तमी के रूप में मनाते हैं। भगवान के मोक्ष कल्याणक पर जैन समाज की बेटियां एवं बहुएं व्रत रखती हैं। भगवान पार्श्वनाथ का जीवन उत्कृष्ट क्षमा का उदाहरण है। केवल क्षमा को धारण करने से संसारी जीव मुक्त हो सकता है। यह सीख भगवान पार्श्वनाथ से सीखी जा सकती है।

भगवान पार्श्वनाथ के पूर्व के दस भवों का अध्ययन करके पता चलता है कि भगवान पारसनाथ ने अपने 10 भव पहले से परिणामों में निर्मलता लाना शुरू कर दी थी। दस भव पूर्व कमठ और मरुभूति(पार्श्वनाथ भगवान का जीव) भाई भाई थे। कमठ ने उनसे वैर भाव बांधा और अगले दस भव तक पार्श्वनाथ के जीव को परेशान किया, उनके प्राणों का घात किया। और अंत में जब पार्श्वनाथ भगवान तपस्या कर रहे थे तब कमठ ने संभर नमक देव बनकर उन पर ओले पत्थर आदि की वर्षा करके उपसर्ग किया। पार्श्वनाथ भगवान का जीव हर भव में क्षमा धारण करता रहा। और अंत में केवल ज्ञान प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त किया।

आज वर्तमान समय में हम सभी को पार्श्वनाथ भगवान की तरह क्षमा गुण को धारण करना चाहिए क्योंकि हम सभी को अपने परिवार, समाज, दोस्त जो भी संबंध मिलते हैं, पूर्व जन्म के कर्मों के फ़ल के अनुसार मिलते हैं ,उन्ही के साथ हमें रहना होता है। एक दूसरे के साथ हमारे अच्छे बुरे संबंध भी हमारे पूर्व जन्मों के संचित कर्मों के अनुसार ही होते हैं। प्रतिकूलता में हम सभी अपने परिणाम बिगड़ते हैं।परंतु भगवान पार्श्वनाथ के समान हमें अपने परिणामों में समता धारण कर दूसरो के लिए क्षमा भाव धारण करना चाहिए। अतः हम सभी को पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक मुकुट सप्तमी व्रत या पर्व पर यह संकल्प लेना चाहिए कि जो कुछ भी हमें मिला है हम उसी में साम्य भाव रखेंगे। सभी से क्षमा भाव रखेंगे और पार्श्वनाथ भगवान की तरह मोक्ष प्राप्त करेंगे। – इंद्रा जैन, ललितपुर

गोलालारीय समाज विदिशा की आवश्यक बैठक संपन्न..

डॉ. राहुल जैन, विदिशा । गोलालारीय जैन समाज की आवश्यक बैठक 24 जुलाई रविवार को आयोजित की गई । इस बैठक में समाज के वरिष्ठजनों व नवनिर्वाचित पार्षद श्री संजय दिवार्कीती का सम्मान किया गया। समाज के एकमात्र सार्वजनिक जैन भवन के जीर्णोद्धार पश्चात उसकी उपयोगिता व भवन में आयोजित किए जाने वाले कार्यों पर आवश्यक चर्चा भी की गई । चर्चा पश्चात समाज हित में जैन भवन के अधिक से अधिक उपयोग करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में समाज के प्रत्येक परिवार से परिवार मुखिया को सादर आमंत्रित किया गया था ।

विश्व योग दिवस के उपलक्ष में 1000 नागरिकों को योग का प्रशिक्षण दिया

भारत सरकार एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर डॉ. राहुल जैन (सचिव, गोलालारीय जैन समाज,विदिशा) ने **Yoga for Humanity** (मानवता के लिए योग) विश्व योग दिवस (21 जून) का प्रचार योग के माध्यम से समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने हेतु विदिशा के अनेक स्थानों पर जिसमें वृद्धाश्रम में वरिष्ठ आयु के नागरिकों को उनकी आयु एवं शरीर की अवस्था (**Yoga for Senior citizens**) के अनुसार उनके स्वाथ्य लाभ हेतु भजनमय योग एवं ध्यान, वरिष्ठ पुलिसकर्मियों, प्रतियोगी परीक्षाओं के छात्रों, गरीब बस्तियों, शहर के नामी स्कूल, चिकित्सकों को सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम एवं मेडिटेशन करवाया । सभी आयु वर्ग के लोगों ने पूरे उत्साह से योग एवं मेडिटेशन कार्यक्रम का लाभ लिया। अनेक मीडिया एवं समाचार पत्रों ने उनके इस सामाजिक स्वास्थ्य चेतना में योगदान का प्रमुखता से उल्लेख किया।

हार्दिक बधाईयाँ

श्री नीरज मानोरिया अशोकनगर के नगरपालिका अध्यक्ष बने

अशोकनगर मप्र की नगरपालिका ने एक नया इतिहास रच दिया है। भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित पार्षद **श्री नीरज जैन मानोरिया** को अशोकनगर नगरपालिका का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया है। आप भारतीय जनता पार्टी से अशोकनगर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 19 में 817 मतों से विजय हुए आप भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय संघ सेवक से काफी लंबे से जुड़े हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय स्वयंसेवक के लिए विभिन्न आयोजनों में आप संभाग का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं।

आप विनम्र छवि, कर्मठ कार्यकर्ता, समर्पित व्यक्तित्व नीरज मानोरिया एक सच्चे जमीनी कार्यकर्ता हैं। सभी को मुस्कुराकर, साथ लेकर चलने की कला उनमें विद्यमान है। नगर व संभाग में संगठन के विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं । यह नीरज जैन के व्यक्तित्व का ही प्रभाव है कि उन्होंने ने सभी दलों के पार्षदों को नगर हित की कल्याणकारी योजनाओं पर साथ लेकर चलने के भाव से प्रेरित किया और उसी का चमत्कार है कि विपक्ष का कोई भी उम्मीदवार उनके सामने खड़ा नहीं हुआ । ऐसे शानदार व्यक्तित्व श्री नीरज मानोरिया को कोटिशः बधाइयाँ।

श्री संजयकुमार दिवाकीर्ति विदिशा नगर परिषद के उपाध्यक्ष नियुक्त हुए

* **श्री संजय कुमार प्रेमचंद दिवाकीर्ति** ने विदिशा नगर पालिका परिषद में भारतीय जनता पार्टी की ओर से पार्षद पद हेतु विजय प्राप्त की हैं। आप दैनिक भास्कर समाचार पत्र में विदिशा अनाज मंडी का प्रतिनिधित्व करते हैं । वर्ष 1995 से अभी तक अनाज तिलहन व्यापार संघ के अनेक पदों पर सुशोभित रहते हुए वर्ष 1996 से 1998 तक विदिशा व्यापार संघ के उपाध्यक्ष रहें । वर्तमान में आप विदिशा समग्र जैन समाज के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त हैं। आपकी संगठन के प्रति समर्पण के भाव को देखते हुए नवनिर्वाचित पार्षदों ने नगरपालिका परिषद में उपाध्यक्ष पद हेतु निर्वाचित किया ।

श्रीमती कीर्ति प्रबल जैन गुन्नौर की पार्षद बनी

श्रीमती कीर्ति प्रबल जैन गुन्नौर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 10 से से निर्दलीय प्रतिनिधि के रूप में 27 वोटों से विजय रही । आप गुन्नौर क्षेत्र में सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए आमजनों में लोकप्रिय रही है। आप जन समस्यों का निराकरण कर विशेष ख्याति अर्जित की है । जिसके कारण आप अपने वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में चुनाव में जीत अर्जित की है ।